अरब प्रायद्वीप की मौसम

रेटिंग:

विवरण:

द्वारा: IslamReligion.com

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

पैगंबर मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) ने कहा था कि अरब प्रायद्वीप कभी पेड़ों और नदियों से भरी हुई हरी-भरी जमीन थी। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "**आखिरी समय तब तक नहीं आएगा... जब तक अरब मे एक बार फिर से घास के मैदान और नदियां न हो जाये।"**[1]

उस समय वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं की कमी को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि पैगंबर मुहम्मद को इस तरह के तथ्य खुद से पता चले हों। समान रूप से चौंकाने वाली बात यह है कि वर्तमान समय में अरब प्रायद्वीप एक हरे भरे स्थान के बिल्कुल विपरीत है। इसके बजाय यह दुनिया की सबसे गर्म जलवायु में से एक है, यहां एक भी स्थायी नदियां नही है और यह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रेगिस्तान का लगभग 85% है, "अरब का रेगिस्तान" यहां है और साथ ही यह दुनिया का सबसे बड़ा रेत का रेगिस्तान भी है, यहां "रुब अल-ख़ाली" है ("रुब अल-ख़ाली" में सालाना 4 इंच की औसत बारिश होती है और तापमान असहनीय 54 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता है)[2]

भूविज्ञान और पुरातत्व के अध्ययन ने हाल ही में इस बात को साबित किया है कि अरब प्रायद्वीप में एक समय ठंडी जलवायु थी और यह वास्तव में पेड़ों, झीलों और नदियों से हरा-भरा क्षेत्र था। ये सब नीचे दिए गए तथ्यों पर आधारित है:

1) वैज्ञानिकों ने प्रलेखित किया है कि पृथ्वी का अंतिम हिमयुग प्लेइस्टोसिन युग के दौरान आया था जो लगभग 2.59 मिलियन वर्ष पहले शुरू हुआ और लगभग 11,700 साल पहले समाप्त हुआ।[3] इसके दौरान पृथ्वी के बड़े हिस्से बर्फ से ढके गए थे और आज की तुलना में जलवायु बहुत अधिक ठंडी थी, औसत भूमंडलीय तापमान वर्तमान औसत तापमान से 5 से 10 डिग्री सेल्सियस तक कम था। जब

यूरोप, एशिया और अमेरिका के हिस्से बर्फ से ढक गए थे, तब अरब प्रायद्वीप की जलवायु अभी के यूरोप की जलवायु की तरह सुहानी थी।

2) 2014 में सऊदी अरब के शोधकर्ताओं ने अन-नफ़ूद रेगिस्तान में एक हांथी के जीवाश्म अवशेषों की खोज की। हाथी की 60% से अधिक जीवाश्म हड्डियां उसके सारे दातों के साथ सही सलामत थी, इससे यह साबित होता है कि अन-नफ़ूद रेगिस्तान में एक समय हाथियों के रहने के लिए उपयुक्त मौसम थी। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि खोजा गया हांथी आकार में वर्तमान हाथी से 50% बड़ा और लगभग दोगुने वजन का था।[4]

इसके अलावा, 2017 में सऊदी अरब के सेंटर फॉर इंटरनेशनल कम्युनिकेशन ने मगरमच्छ और समुद्री घोड़ों सहित अन्य जीवों के जीवाश्मों की खोज के बारे में बताया, और इससे भी अधिक उल्लेखनीय अरब प्रायद्वीप में कुल 10,000 प्राचीन झील और नदी तल की खोज थी।[5]इसके अलावा, 2017 में जाने-माने पुरातत्वविद् डॉ. ईद अल याह्या ने सऊदी अरब के सबसे पहले विशाल जीवाश्म की खोज की, और पिछले एक दशक के दौरान सुदूर रेगिस्तानी स्थानों में एक हजार से अधिक सिलिका से बने चकमक पत्थर और शिकार करने अन्य उन्नत उपकरणों की खोज की और प्रलेखित किया जिससे ये साबित होता हैं कि लोगों ने कभी इन बंजर क्षेत्रों में शिकार किया था।

3) अरब प्रायद्वीप में तेल और गैस की विशाल खोज। तेल मृत सूक्ष्म पौधों और जानवरों के अवशेष हैं जो लाखों साल पहले महासागरों, नदियों या झीलों में रहते थे। ऑक्सीजन की कमी ने मृत सूक्ष्मजीवों को अपने हाइड्रोकार्बन बांड बनाए रखने में सहयता की जो तेल और गैस बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। विशेष रूप से नदी घाटियों में पानी का प्रवाह कम होने की वजह से ऑक्सीजन का स्तर कम होता है, जिससे वे तेल और गैस के निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त स्थान बन जाते हैं। गर्मी और दबाव और लाखों साल बीतने की वजह से तेल और गैस का निर्माण हुआ।[6]

सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और अरब प्रायद्वीप के अन्य देशों के सिद्ध तेल के भंडार के बारे में सभी को जानकारी है। उल्लेखनीय बात ये है कि अरब प्रायद्वीप में तेल के क्षेत्र समुद्र तट से दूर और समुद्र के किनारे (जमीन के ऊपर, समुद्र में नहीं) दोनों जगह हैं। पूर्वी सऊदी अरब का प्रसिद्ध घवार क्षेत्र दुनिया के सिद्ध तेल भंडारों में से सबसे बड़ा तेल क्षेत्र है, ये 1950 के दशक से चालु है और इसमें अभी भी अनुमानित 70 बिलियन बैरल बाकी है, और भौगोलिक रूप से यह "रुब अल-ख़ाली" और अरब के रेगिस्तान दोनों जगह तट पर स्थित है। इसी तरह कुवैत का बर्गन क्षेत्र दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल क्षेत्र है और यह अरब रेगिस्तान के तट पर स्थित है। ऐसे तटवर्ती तेल क्षेत्रों की खोज का अर्थ है कि अंतिम हिमयुग शुरू होने से पहले अरब प्रायद्वीप लाखों वर्षों तक आज की तरह सूखी बंजर भूमि नहीं थी, बल्कि झीलों, नदियों और नदी घाटियों से भरी हुई थी।

4) अंतरिक्ष से ली गई उपग्रह चित्रों ने पुष्टि की है कि एक समय अरब प्रायद्वीप का भूगोल और जलवायु अलग था। सऊदी कमीशन फॉर टूरिज्म एंड नेशनल हेरिटेज ने बताया कि 1990 के "लैंडसैट" ने सऊदी अरब के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों के चित्र खींचे जिसमे रुब अल-ख़ाली भी शामिल था। उपग्रह चित्रों से पुराने व्यापार मार्गों, नदी पथों और घाटियों का पता चला जो अब रेत के टीलों से ढक गया हैं।

आखिर मे, भूवैज्ञानिक और पुरातत्व संबंधी ये खोजें पैगंबर मुहम्मद के इस बात को साबित करते हैं कि अरब प्रायद्वीप कभी घास के मैदानों और नदियों से भरा हुआ था; यह वो तथ्य है जिसे ईश्वर के बताये बिना पैगंबर मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) खुद से नहीं जान सकते थे।

फुटनोट:

[1] *???? ???????*, किताब नंबर 05, हदीस नंबर 2208

[2] एलिजाबेथ हॉवेल, अगस्त 2013, पृथ्वी के 10 सबसे बड़े रेगिस्तान, *???? ?????* https://www.livescience.com/38592-biggest-deserts.html से लिया गया है

[3] किम एन ज़िम्मरमैन, अगस्त 2017, प्लेइस्टोसिन युग: अंतिम हिमयुग के बारे में तथ्य, लाइव साइंस कंट्रीब्यूटर https://www.livescience.com/40311-pleistocene-epoch.html से लिया गया है

[4] किम एन ज़िम्मरमैन, अगस्त 2017, प्लेइस्टोसिन युग: अंतिम हिमयुग के बारे में तथ्य, *???? ????? ????????????* https://www.livescience.com/40311-pleistocene-epoch.html से लिया गया है

[5] हबीब तौमी, सितंबर 2018, प्राचीन सऊदी अरब कभी हरा-भरा था, *???? ?????* https://gulfnews.com/news/gulf/saudi-arabia/ancient-saudi-arabia-was-once-lush-and-green-1.2153218 से लिया गया है

[6] रोजर एन. एंडरसन, तेल आमतौर पर रेगिस्तान और आर्कटिक क्षेत्रों में क्यों पाया जाता है? *????????? ???????* https://www.scientificamerican.com/article/why-is-oil-usually-found से लिया गया है

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/11345

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।